निर्विघ्न अवस्था बनाने के लिए चार्ट

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
1. अमृतवेले शक्तिशाली योग किया ?																															
2. सारे दिन में 8बार अशरीरीपन की ड्रिल की?																															
3. व्यर्थ संकल्प मुक्त, तीव्र पुरुषार्थी रहे ?																															
4. निर्विघ्न अवस्था की अनुभूति में रहे ?																															
5. रात्रि सोने से पूर्व आधा घंटा योग किया?																															

" शिव अवतरण पर व्यर्थ को समाप्त करने की विशेष सौगात बाप को दो, विशेष अटेन्शन देकर एक मास निर्विघ्न अवस्था की अनुभूति करो "

27.02.14

अटेन्शन 1.- आप निमित्त बने हुए बच्चे निर्विघ्न अवस्था के अनुभवी बनेंगे तभी आपके निर्विघ्नता का वायब्रेशन पुरुषार्थी बच्चों को पहुंचेगा।

अटेन्शन 2. - बापदादा यही सौगात चाहते हैं कि व्यर्थ को समाप्त करो, अटेन्शन दो, हर संकल्प में निर्विघ्न, टाइम को तीव्र पुरूषार्थ में लगाओ।

अटेन्शन 3. - बाप को साथ रखेंगे तो व्यर्थ ऑटोमेटिकली समाप्त हो जाएगा।

मार्च 2014 के स्वमान व अभ्यास

1. मैं कल्प-कल्प की विजयी रतन आत्मा हूं।
2. मैं समर्थ संकल्पों से भरपूर आत्मा हूं।
3. मैं सर्व शक्तियों से सपंन्न आत्मा हूं।
4. मैं परमधाम निवासी मास्टर बीजरूप आत्मा हूं।
5. मैं स्वराज्य अधिकारी शक्तिशाली आत्मा हूं।
6. मैं विघ्न विनाशक आत्मा हूं।
7. मैं परम पवित्र आत्मा हूं।
8. मैं कल्पवृक्ष की आधारमूर्त आत्मा हूं।
9. मैं सर्व आत्माओं की पूर्वज आत्मा हूं।
10. मैं सखु, शान्ति संपन्न दाता आत्मा हूं।
11. मैं सर्वशक्तिवान बाप की साथी आत्मा हूं।
12. मैं निर्विघ्न वातावरण बनाने वाली आत्मा हूं।
13. मैं व्यर्थ को भस्म करने वाला मा. ज्ञानसूर्य हूं।
14. मैं आत्मा लाइट हाउस, माइट हाउस हूं।
15. मैं आत्मा ज्वालामुखी योगी हूं।
16. मैं निरंतर सकाशदाता अव्यक्त फरिश्ता हूं।
17. मैं परम पवित्र फरिशता हूं।
18. मैं विश्व परिक्रमाधारी फरिश्ता हूं।
19. मैं भगवान की साथी व साक्षीद्रष्टा आत्मा हूं
20. मैं नष्टोमोहा स्मृतिस्वरूप आत्मा हूं।
21. मैं अंतमुर्खी आत्मा हूं।
22. मैं देव कुल की महान आत्मा हूं।
23. मैं बेहद की सेवाधारी आत्मा हूं।
24. मैं आत्मा देह से बिल्कुल न्यारी हूं।
25.. मैं आत्मा बेहद की वैरागी हूं।
26. मैं सर्व आकर्षणों से मुक्त आत्मा हूं।
27. मैं आत्मा ब्रह्माण्ड में शिव बाबा के साथ कम्बाइंड हूं।
28. मैं नजरों से निहाल करने वाली विशेष आत्मा हूं।
29. मैं बाप समान न्यारी-प्यारी आत्मा हूं।
30. मैं प्रकृतिजीत आत्मा हूं।
31. मैं सदा निर्विघ्न रहने वाली आत्मा हूं।